

काली नदी पर बने दो अंतरराष्ट्रीय झूलापुल शुरू

चर्चा में क्यों?

16 फरवरी, 2023 को उत्तराखण्ड के पश्चिमी जिले की डीएम रीना जोशी और नेपाल, धारचूला के सीडीओ दीर्घराज उपाध्याय ने संयुक्त रूप से भारत व नेपाल के बीच सीमांत तहसील धारचूला से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा में काली नदी पर बने दो अंतरराष्ट्रीय झूला पुलों का शुभारंभ किया।

प्रमुख बंदि

- इन पुलों से दोनों देशों की 10 हज़ार से अधिक की आबादी को लाभ मललगा। दोनों देशों के बीच व्यापारिक गतविधियिँ भी बढ़ेंगी और रोटी-बेटी के रशिते मजबूत होंगे।
- काली नदी पर गस्कू में बने झूला पुल की लंबाई लगभग 140 मीटर और जयकोट में बने मलघट्या झूला पुल की लंबाई लगभग 135 मीटर है। दोनों पुलों की भार क्षमता 42 टन है।
- दोनों स्थानों पर पुल बनने से भारत के गाँव जयकोट, पांगला, गस्कू और नेपाल के माल, रापला, दुमलगी, सुसारपानी सहति कई अन्य गाँवों की लगभग 10 हज़ार से अधिक की आबादी को लाभ मललगा।
- इन स्थानों पर पुल नहीं होने से दोनों देशों के लोगों को शादी ब्याह और अन्य शुभ अवसरों पर लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। बारशि के समय काली नदी को नेपाल के लोग तार, डरम और ट्यूब के जरयि आर-पार करते थे। पुल बनने से जोखमि कम हो जाएगा।
- गौरतलब है क दोनों पुलों के बनने से पश्चिमी जिले में काली नदी पर भारत और नेपाल के बीच पुलों की संख्या 11 हो गई है। वर्तमान में झूलाघाट, डौड़ा, द्वालीसेरा, जौलजीबी, बलुवाकोट, धारचूला, तगिडम रोंगती नाला, बडू-जुम्मा, मलघट्या जयकोट, गस्कू-माल, सीता पुल शामिल हैं।